(vi) The Role of Farm Management in Agricultural Extension Service.

He has also prepared a farm 'Record Book' for the use of the farmers.

In addition *to* the above, Mr. Daniel has initiated a scheme on Farm Planning in Chhabria village, Meerut District, U.' P. State. Ten representative . cultivators in the Chhabria village have been selected and alternative farm budgets have been prepared, which are under implementation.

(b) He is working in close collaboration with the Research Division of the Directorate of Economics and Statistics, Ministry of Food and Agriculture, Department of Agriculture.]

t[STATISTICAL ENQUIRIES REPLIED TO BY

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् द्वारा अन्वेषणों की पूछ-ताछ का जवाब

४६. **श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री, खाद्य तथा कृषि मंत्रालय (कृषि विभाग) के १९५६–५७ के वार्षिक प्रतिवेदन के पृष्ठ ३७ पर पैरा ४ को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् के सांख्यिकी विभाग ने पिछले पांच वर्षों में प्रतिवर्ष देश और विदेश की कितनी पूछताछों के उत्तर दिये ; और

(ख) मोटे तौर पर ये पूछताछें किस प्रकार की थीं ?

INDIAN COUNCIL OF AGRICULTURAL RESEARCH

46. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: V/ill the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to refer to paragraph 5 on page 37 of the Annual Report of the Ministry of Food and Agriculture (Department of Agriculture) for 1956-57 and state:

(a) what is the number of the inland and foreign enquries replied to by the Statistical Wing of the Indian Council of Agricultural Research during each of the past five years; and

(b) what was broadly the nature of those enquiries?]

खाद्य तथा कृषि मंत्री (श्री अजित प्रसाद जैन): (क) पिछले पांच वर्षों में उत्तर दी गई पूछताछों की संख्या का एक विवरण नीचे दिया हुआ है :—

उत्तर दी गई पूछताछों की संख्या

वर्ष	इनलैंड	विदेश	कुल जोड़
१९५२	९०६	२८	९३४
१९५३	१०५५	२३	१०७८
१९५४	९७२	२९	१००१
१९५५	८८७	२१	९०८
१९५६	८२७	१५	८४२

(ख) साधारण तौर पर इन पूछताछों का सम्बन्ध :—

(१) कृषि तथा पशुपालन अंक में प्रशिक्षण देने की सुविधायें ।

(२) अनुसन्धान योजनाओं पर अंक सम्बन्धी टिप्पणियां, टेक्निकल कार्यक्रम, प्रयोगों का अभिन्यास और दूसरी अनुसन्धान सम्बन्धी पूछताछ ।

(३) प्रकाशन के लिये वैज्ञानिक लेखों पर अंक सम्बन्धी टिप्पणियां ।

(४) अंक सम्बन्धी टुकड़ियों की स्थापना के विषय में सलाह और अंक सम्बन्धी पदों के लिये योग्यता आदि निर्धारित करना ।

•KTHE MINISTER OF FOOD AND AGRICULTURE (SHRI A. P. JAIN): (a) A statement showing the number

†[ ]English translation.

of enquiries replied to during the last five years is given below: —

Number of enquiries replied

Year	Inland	Foreign	Total
1952 .	906	28	934
1953 .	1055	23	1078
1954 .	972	29	1001
1955 .	887	21	903
1956 .	827	15	842

(b) Broadly the enquiries related to:—

1. Facilities for training in Agricultural and Animal Husbandry Statistics.
2. Statistical Comments on Research Schemes, Technical Programmes, Lay-out of experiments and other research enquiries.
3. Statistical comments on Scientific Articles for publication.
4. Advice on establishment of Statistical Units and prescription of qualification etc. for statistical posts.]

सामुदायिक परियोजना क्षेत्रों में फलों को सुरक्षित रखने के उद्योग

४७. श्री नवाब सिंह चौहान : क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री, खाद्य तथा कृषि मंत्रालय (कृषि विभाग) के १९५६-५७ के वार्षिक प्रतिवेदन के पृष्ठ ३९ पर पैरा १.८ को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि सामुदायिक परियोजना क्षेत्रों में फलों को सुरक्षित रखने के उद्योग चालू करने की जो सिफारिश केन्द्रीय फल उत्पादन-मंत्रणा समिति ने की थी, उस को कार्यान्वित करने के लिये सरकार क्या कार्यवाही कर रही है ?

t [FRUIT PRESERVATION INDUSTRIES IN COMMUNITY PROJECT AREAS

47. SHRI' NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of FOOD AND AGRICULTURE be pleased to refer to paragraph 1.8 on page 39 of the Annual Report of the Ministry of Food **and** Agriculture (Department of Agriculture) for 1956-57 and state the steps which are being taken by Government to implement the recommendation of the Central Fruit Products Advisory Committee to start fruit preservation industries in the Community Project Areas?]

खाद्य तथा कृषि मंत्री (श्री अजित प्रसाद जैन) : केन्द्रीय फल उत्पादन मंत्रणा समिति ने सामूहिक विकास क्षेत्रों में फल सुरक्षित रखने के उद्योगों के आरम्भ करने के सम्बन्ध में कोई सिफारिश नहीं की है। फिर भी गणन और निरीक्षण निदेशालय के फल उत्पादन संगठन ने सामूहिक विकास क्षेत्रों में फलों को सुरक्षित रखने के उद्योग के विकास के लिये निम्नलिखित योजनायें तैयार की थीं और सामूहिक विकास मन्त्रालय को विचार कार्यान्वित करने के लिये भेज दी हैं ।

(१) सिलचर (आसाम) में फल सुरक्षित रखने का एक कारखाना खोलने की योजना ।

(२) अगरतल्ला (त्रिपुरा) में फल सुरक्षित रखने की एक यूनिट आरम्भ करने की योजना ।

(३) आसाम के दार्जिलिंग जिले में मजबूत सामूहिक विकास परियोजना के प्रशिक्षण तथा उत्पादन केन्द्र को आरम्भ करने की योजना ।

(४) आसाम के जोरहट जिले के बढ़-पत्थर में एक कोमोडिटी कैनिंग सेन्टर (Commodity Canning Centre) के लिये योजना ।

†English translation.